नहीं होना बीमार

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कहानी का परिचय और अस्पताल का वातावरण

प्रश्न 1 (आसान). लड़का अस्पताल किसके साथ गया था?
उत्तर – नानीजी के साथ

प्रश्न 2 (आसान). अस्पताल का फर्श कैसा था?
उत्तर – एकदम चमकता हुआ

प्रश्न 3 (मध्यम). अस्पताल में ट्रैफिक का शोर क्यों नहीं था?
उत्तर – क्योंकि अस्पताल शांत जगह पर था, सिर्फ धीमी गुनगुन सुनाई देती थी।

प्रश्न 4 (कठिन). अस्पताल का वातावरण देखकर लड़के के मन में कौन-सा विचार आया और बाद में उसने क्या सीखा?
उत्तर – उसे लगा बीमार होना ठाठ है, लेकिन बाद में उसे समझ आया कि बीमारी का बहाना बनाना गलत है।

» बीमार होने का आकर्षण

प्रश्न 5 (आसान). बच्चे को अस्पताल में किसका बिस्तर देखकर बीमार होने की इच्छा हुई?
उत्तर – सुधाकर काका का।

प्रश्न 6 (आसान). बीमारी में उसे कौन सी ख़ास चीज़ खाने को मिलने की उम्मीद थी?
उत्तर – साबूदाने की खीर।

प्रश्न 7 (मध्यम). लड़का 'sick' क्यों होना चाहता था? क्या उसे सच में कोई 'disease' थी?
उत्तर – नहीं, उसे कोई 'disease' नहीं थी। उसे बीमार होने का 'attraction' था क्योंकि उसे लगा कि बीमारों को आराम मिलता है और साबूदाने की खीर जैसी पसंद की चीजें खाने को मिलती हैं।

प्रश्न 8 (कठिन). क्या तुम्हें भी कभी ऐसा लगा है कि बीमार होना अच्छा होता है? और अगर हाँ, तो क्यों?
उत्तर – हाँ, कभी-कभी मुझे भी ऐसा लगा है। खासकर जब स्कूल जाने का मन न हो या कोई परीक्षा हो, तो लगता है कि बीमार होने पर आराम मिलेगा और पढ़ाई नहीं करनी पड़ेगी।

» बीमारी का बहाना बनाना

प्रश्न 9 (आसान). बच्चे ने बहाना बनाने के लिए कौन-कौन से दर्द बताए?
उत्तर – सरदर्द, पेटदर्द और बुखार

प्रश्न 10 (आसान). बहाना बनाने के बाद बच्चे को सबसे पहले क्या परेशानी हुई?
उत्तर – भूख लगना और कुछ न मिलना

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर बच्चा बहाना न बनाता तो उसका दिन कैसा गुजरता?
उत्तर – स्कूल जाता, दोस्तों से मिलता और मजा करता, बोर नहीं होता

प्रश्न 12 (कठिन). बहाना बनाने से बच्चे के मन में कौन-कौन से भाव आए और इससे हमें क्या सीख मिलती है?
उत्तर – क्रोध, दुख, ऊब और भय आए; सीख यह कि बहाना बनाना कभी सही नहीं, सच्चाई से काम लो

» अकेले लेटे-लेटे अनुमान लगाना

प्रश्न 13 (आसान). जब लड़का अकेला लेटा था, तो उसने घर के अंदर किस 'activity' का अंदाज़ा लगाया?
उत्तर – उसने छोटे मामा के नहाकर निकलने, कुसुम मौसी के कॉलेज बस पकड़ने और मुन्नू के जूता ढूँढने का अंदाज़ा लगाया।

प्रश्न 14 (आसान). लड़के को बाहर गली की 'hustle and bustle' क्यों देखनी थी?
उत्तर – वह जानना चाहता था कि चंदूभाई ड्राईक्लीनर क्या कर रहे हैं, तेजराम की दुकान पर कितने ग्राहक हैं, और महेश घी सेंटर ने क्या किया।

प्रश्न 15 (मध्यम). लड़का घर और गली की 'activities' का अनुमान क्यों लगा रहा था?
उत्तर – क्योंकि वह बीमार होने का नाटक कर रहा था और बिस्तर पर अकेला लेटा था, इसलिए बाहर नहीं जा पा रहा था और boredom महसूस कर रहा था।

प्रश्न 16 (कठिन). इस पाठ में 'अकेले लेटे-लेटे अनुमान लगाना' क्या दिखाता है, लड़के के मन की किस स्थिति को बताता है?
उत्तर – यह लड़के के मन की ऊब (boredom), 'restlessness' और बाहरी दुनिया से कटाव को दिखाता है, कि वह बीमारी के बहाने में कितना फंस गया था और कितना अकेला महसूस कर रहा था।

» बहाने के कष्ट और भावनाएँ

प्रश्न 17 (आसान). बहाने से सबसे पहले कौन सा भाव आता है?
उत्तर – ऊब

प्रश्न 18 (आसान). भूख लगने पर बच्चा क्या माँगना चाहता था?
उत्तर – साबूदाने की खीर

प्रश्न 19 (मध्यम). क्यों बच्चे को जलन हुई?
उत्तर – मुन्नू आम चूस रहा था जबकि वह भूखा था।

प्रश्न 20 (कठिन). इन भावों से क्या सीख मिलती है बहाने के बारे में?
उत्तर – बहाना बनाने से सिर्फ कष्ट और पछतावा मिलता है, इसलिए कभी न बनाना।

» नानी-नानाजी की देखभाल

प्रश्न 21 (आसान). नानीजी सुधाकर काका को क्या खिलाने ले गई थीं?
उत्तर – साबूदाने की खीर

प्रश्न 22 (आसान). नानाजी ने बच्चे को क्या खाने को दिया?
उत्तर – कड़वी पुड़िया

प्रश्न 23 (मध्यम). नानी-नानाजी की देखभाल में भूखे रखने का क्या फायदा बताया गया?
उत्तर – सारे विकार निकल जाएंगे

प्रश्न 24 (कठिन). अगर तुम बीमार पड़ो तो नानी-नानाजी जैसी देखभाल से क्या सीख मिलती है? एक वाक्य में लिखो।
उत्तर – बीमारी में आराम और दवा जरूरी है लेकिन बहाना बनाना गलत है क्योंकि सच्ची देखभाल में भूख और अकेलापन भी सहना पड़ता है

» पछतावा और सीख

प्रश्न 25 (आसान). बच्चे का पछतावा किस बात का था?
उत्तर – पूरे दिन भूखा और अकेला रहने का

प्रश्न 26 (आसान). अंत में बच्चे ने क्या फैसला लिया?
उत्तर – बीमारी का बहाना कभी नहीं बनाएगा

प्रश्न 27 (मध्यम). पछतावा और सीख में क्या संबंध है? कहानी के आधार पर बताओ।
उत्तर – पछतावा गलती के बाद दुख देता है जो हमें सही रास्ते की सीख देता है, जैसे बच्चे को स्कूल जाने की सीख मिली।

प्रश्न 28 (कठिन). अगर बच्चा नानी-नानाजी को सच बता देता तो उसका पछतावा और सीख कैसे बदल जाता? सोचकर लिखो।
उत्तर – पछतावा कम होता लेकिन सीख वही रहती कि बहाना बनाना गलत है, शायद वह जल्दी स्कूल चला जाता।

» लेखक स्वयं प्रकाश का परिचय

प्रश्न 29 (आसान). स्वयं प्रकाश किस भाषा के लेखक थे?
उत्तर – हिंदी

प्रश्न 30 (आसान). उनकी कहानियाँ किसे छू जाती हैं?
उत्तर – बच्चों और बड़ों के दिलों को

प्रश्न 31 (मध्यम). स्वयं प्रकाश की कहानियों की एक विशेषता लिखो।
उत्तर – लगता है जैसे कोई पुराना मित्र बातें कर रहा हो

प्रश्न 32 (कठिन). स्वयं प्रकाश की कहानियाँ मनोरंजन के अलावा क्या देती हैं? एक रचना का नाम भी बताओ।
उत्तर – सोचने-समझने के लिए नई दिशाएँ; उदाहरण: ज्योति रथ के सारथी

» चित्रात्मक भाषा और कहानी की रचना

प्रश्न 33 (आसान). चित्रात्मक भाषा का मतलब क्या है?
उत्तर – शब्दों से तस्वीर बनाना, जैसे विस्तृत वर्णन

प्रश्न 34 (आसान). कहानी में हास्य क्यों डाला जाता है?
उत्तर – कहानी को रोचक और मजेदार बनाने के लिए

प्रश्न 35 (मध्यम). बच्चे के स्वयं से संवाद का एक वाक्य कहानी से दो और बताओ इससे क्या समझ आता है।
उत्तर – 'मेरे सिर में दर्द हो रहा है। पेट भी दुख रहा है और मुझे बुखार भी है।' – इससे बच्चे का अकेलापन और बहाना बनाने का तरीका दिखता है।

प्रश्न 36 (कठिन). अगर तुम्हें अपनी कक्षा का वर्णन चित्रात्मक भाषा में लिखना हो तो 2-3 वाक्य लिखो।
उत्तर – 'कक्षा की खिड़कियों से हरी-भरी खेल का मैदान दिखता है जहाँ बच्चे दौड़-दौड़कर क्रिकेट खेल रहे हैं, और अंदर पंखे की हवा में किताबों की खुशबू फैली है।'

» शब्द-अर्थ और मिलान

प्रश्न 37 (आसान). रजाई का अर्थ क्या है?
उत्तर – एक प्रकार का जाड़े का ओढ़ना जिसका कपड़ा दोहरा होता है और जिसमें रूई भरी होती है।

प्रश्न 38 (आसान). वार्ड का मिलान किससे? (किसी विशिष्ट कार्य के लिए घेरकर बनाया हुआ स्थान)
उत्तर – किसी विशिष्ट कार्य के लिए घेरकर बनाया हुआ स्थान।

प्रश्न 39 (मध्यम). साबूदाना और अरहर को उनके अर्थ से मिलाइए।
उत्तर – साबूदाना - साग़ू नामक वृक्ष के तने का गूदा। अरहर - एक दाल जिसे तुअर भी कहते हैं।

प्रश्न 40 (कठिन). ड्राइक्लीनर और ताजमहल के अर्थ लिखकर बताओ और कहानी से जोड़कर बताओ ये क्यों आए।
उत्तर – ड्राइक्लीनर - रेशमी, ऊनी कपड़ों को बिना पानी-साबुन के साफ करने वाला व्यक्ति। ताजमहल - आगरा का सफेद संगमरमर का स्मारक। बच्चे ने मजाक में कहा 'कोई ताजमहल तो नहीं माँग लेता'।

» समस्या और समाधान

प्रश्न 41 (आसान). बच्चे ने स्कूल न जाने की समस्या का समाधान क्या निकाला?
उत्तर – बीमारी का बहाना बनाना

प्रश्न 42 (आसान). नानी-नानाजी ने बच्चे को क्या खाने को मना किया?
उत्तर – कुछ खाने को मत देना, आराम करने दो

प्रश्न 43 (मध्यम). कहानी से बताओ कि बच्चे को बहाने बनाने का क्या नुकसान समझ आया?
उत्तर – अकेले घर पर रहना अच्छा नहीं लगा, स्कूल जाना बेहतर है

प्रश्न 44 (कठिन). अगर तुम्हें ऐसी समस्या आए कि पढ़ाई नहीं करनी हो तो सही समाधान क्या होगा, बहाना नहीं?
उत्तर – समय प्रबंधन करके दोनों काम करना – खेलना और पढ़ना

» विराम चिह्नों का उपयोग

प्रश्न 45 (आसान). सही चिह्न लगाओ: तू कैसा है
उत्तर – तू कैसा है?

प्रश्न 46 (आसान). सही चिह्न लगाओ: वाह क्या मजा
उत्तर – वाह! क्या मजा।

प्रश्न 47 (मध्यम). वाक्य में सही विराम चिह्नों का उपयोग करके लिखो: नानीजी ने कहा मैं खीर खिला दूँ
उत्तर – नानीजी ने कहा, “मैं खीर खिला दूँ?”

प्रश्न 48 (कठिन). दो वाक्यों को सही विराम चिह्नों से जोड़कर लिखो: मैं बीमार हूँ पर मुझे भूख लग रही है
उत्तर – मैं बीमार हूँ, पर मुझे भूख लग रही है!

» शीर्षक की उपयुक्तता और अभिनय

प्रश्न 49 (आसान). शीर्षक 'नहीं होना बीमार' किस सबक को दर्शाता है?
उत्तर – बीमारी का बहाना बनाकर स्कूल से छुट्टी मारना अच्छा नहीं है।

प्रश्न 50 (आसान). अभिनय में संवाद बोलते समय क्या-क्या जोड़ना चाहिए?
उत्तर – भाव, स्वर, हाव-भाव और चेहरा।

प्रश्न 51 (मध्यम). कहानी में बच्चा क्यों कहता है 'क्या ठाठ हैं बीमारों के भी!' और इसे अभिनय में कैसे दिखाओगे?
उत्तर – वह सोचता है बीमारी में आराम और अच्छा खाना मिलता है; अभिनय में लेटे हुए, मुस्कुराते हुए, लालचाई आवाज में बोलो।

प्रश्न 52 (कठिन). अगर शीर्षक 'बीमार होने की कोशिश' होता तो कहानी पर कितना फिट बैठता? और मूल शीर्षक क्यों बेहतर है? अभिनय के साथ एक संवाद का उदाहरण दो।
उत्तर – नया शीर्षक सिर्फ कोशिश बताता लेकिन अंत का सबक नहीं; मूल शीर्षक 'नहीं होना बीमार' पूरा संदेश देता है। उदाहरण: 'बुखार आ गया' – कराहते, रजाई खींचते हुए।

» पाठ से आगे की गतिविधियाँ

प्रश्न 53 (आसान). बहाने क्यों बनाते हैं लोग? एक कारण बताओ।
उत्तर – काम से बचने के लिए

प्रश्न 54 (आसान). बीमार होने पर घर में क्या खिलाते हैं?
उत्तर – खिचड़ी, साबूदाने की खीर

प्रश्न 55 (मध्यम). अपनी कक्षा का वर्णन दो-तीन वाक्यों में लिखो।
उत्तर – मेरी कक्षा में 40 बच्चे हैं। सुबह सब हँसते-खेलते आते हैं। ब्लैकबोर्ड पर टीचर लिखती हैं।

प्रश्न 56 (कठिन). बहाने न बनाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं? तीन तरीके बताओ और समझाओ।
उत्तर – 1. सच बोलो। 2. समय पहले से प्लान करो। 3. हिम्मत रखो। इससे विश्वास बढ़ता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कहानी के शुरू में अस्पताल का वातावरण कैसा था और इससे लड़के के मन में क्या विचार आया? तीन पॉइंट्स में लिखो।

› पहले hospital ward का वर्णन पढ़ो – सफेद चादर, लाल कंबल, चमकता फर्श, हरे पर्दे।
› फिर शांति का वर्णन देखो – न ट्रैफिक, न धूल, सिर्फ धीमी बातचीत।
› अंत में लड़के का सोचना जोड़ो – 'क्या ठाठ हैं बीमारों के भी' और 'काश मैं बीमार पड़ जाऊं'।

उत्तर – अस्पताल शांत, स्वच्छ और सुंदर था। लड़के को लगा बीमार होना मजेदार है, इसलिए वह भी बीमार पड़ना चाहता था।

उदाहरण 2. कहानी के अनुसार, लड़के को बीमार होने में कौन-कौन सी अच्छी बातें नज़र आ रही थीं?

› सबसे पहले, देखो कि जब उसने सुधाकर काका को अस्पताल में देखा तो उसे क्या महसूस हुआ।
› दूसरा, उसने 'clean bed' के बारे में क्या सोचा?
› तीसरा, 'food' के बारे में उसके मन में क्या बात आई?
› चौथा, उसने स्कूल जाने से बचने के लिए क्या सोचा?

उत्तर – लड़के को बीमार होने में साफ़-सुथरे बिस्तर पर लेटना, साबूदाने की खीर खाना, और स्कूल न जाने की छुट्टी मिलना, ये सब अच्छी बातें नज़र आ रही थीं।

उदाहरण 3. कहानी के आधार पर बताओ कि बच्चे ने बीमारी का बहाना क्यों बनाया और उससे उसे क्या-क्या परेशानी हुई?

› पहले बच्चा स्कूल और होमवर्क से बचने के लिए सोचता है – 'मैंने सोचा बीमार पड़ने के लिए आज का दिन बिलकुल ठीक रहेगा।'
› वह रजाई में लेटकर सरदर्द, पेटदर्द और बुखार का नाटक करता है।
› लेकिन नानाजी-नानीजी उसे खाना नहीं देते, सिर्फ काढ़ा और आराम देते हैं।
› इससे बच्चे को भूख लगती है, ऊब होती है और वह सोचता है 'देखो! उन्होंने एक बार भी आकर नहीं पूछा कि तू क्या खाएगा?'
› अंत में उसे एहसास होता है कि बहाना बनाना गलत था।

उत्तर – बच्चे ने स्कूल न जाने और होमवर्क न करने के लिए बहाना बनाया लेकिन भूखे रहने, कड़वी दवा और ऊब से उसे बहुत परेशानी हुई और अंत में उसे स्कूल जाना चाहिए था यह समझ आया।

उदाहरण 4. कहानी के अनुसार, लड़का लेटे-लेटे घर के किन तीन लोगों की गतिविधियों का अनुमान लगाता है?

› पहला, वह सोचता है, 'अब छोटे मामा नहाकर निकले।'
› दूसरा, वह अनुमान लगाता है, 'अब कुसुम मौसी रोज की तरह नाश्ता छोड़कर कॉलेज बस पकड़ने भागीं।'
› तीसरा, वह कल्पना करता है, 'अब मुन्नू अपना जूता ढूँढ रहा है।'
› यह तीनों नाम कहानी में स्पष्ट रूप से दिए गए हैं जिनकी 'activities' का 'child was guessing'.

उत्तर – लड़का छोटे मामा, कुसुम मौसी और मुन्नू की गतिविधियों का अनुमान लगाता है।

उदाहरण 5. कहानी में बच्चे के मन में कौन-कौन से भाव आए जब वह बीमारी का बहाना करके लेटा रहा? स्टेप बाय स्टेप समझाओ।

› सबसे पहले लेटे-लेटे ऊब हुई और पीठ दर्द शुरू हुआ।
› फिर भूख लगी लेकिन साबूदाने की खीर की उम्मीद टूट गई।
› जलन और गुस्सा आया जब मुन्नू आम चूस रहा था और परिवार खाना खा रहा था।
› कुड़हन हुई कि स्कूल जाना बेहतर होता।
› आखिर में पछतावा हुआ और बच्चे ने फैसला किया बहाना कभी न बनाना।

उत्तर – ऊब, पीठ दर्द, भूख, जलन, गुस्सा, कुड़हन और पछतावा – ये सारे भाव आए।

उदाहरण 6. कहानी में बच्चा बहाना बनाकर बीमार पड़ता है। नानी-नानाजी ने उसकी देखभाल कैसे की? तीन मुख्य बातें लिखो।

› पहले नानाजी ने माथा, पेट और नब्ज देखकर बीमारी जाँची
› फिर कड़वी पुड़िया और काढ़े जैसी चाय पिलाई
› आखिर में आज कुछ खाने को मत देना, आराम करने दो – कहा और भूखा रखा

उत्तर – दवा-पुड़िया खिलाना, आराम की सलाह देना और भूखे रखना

उदाहरण 7. कहानी में बच्चे ने पूरे दिन भूखा रहकर क्या सीखा और उसका पछतावा कैसे दिखता है? तीन लाइन में बताओ।

› पहले बच्चे ने बीमारी का बहाना बनाया, लेकिन दिनभर अकेले रहकर ऊबा और भूखा रहा।
› फिर उसे स्कूल की याद आई और उसने सोचा कि बहाना बनाने से सिर्फ़ मुसीबत होती है।
› अंत में उसने फैसला किया कि 'इसके बाद स्कूल से छुट्टी मारने के लिए मैंने बीमारी का बहाना कभी नहीं बनाया' – यही उसका पछतावा और सीख है।

उत्तर – बच्चे ने सीखा कि बहाना बनाना गलत है और पछतावा करके उसने कभी बहाना न बनाने का फैसला किया।

उदाहरण 8. स्वयं प्रकाश की लेखन शैली की दो मुख्य विशेषताएँ बताओ और एक प्रमुख रचना का नाम दो।

› पहले याद करो कि उनकी कहानियाँ बच्चों और बड़ों दोनों को छूती हैं
› फिर देखो कि शैली मित्र जैसी है, हास्य और जीवन के अनुभव भरे हैं
› अंत में उनकी एक रचना चुनो जैसे 'मात्रा और भार'

उत्तर – लेखन शैली: सरल, हास्यपूर्ण और मित्र जैसी बातचीत; प्रमुख रचना: मात्रा और भार

उदाहरण 9. कहानी में बच्चे द्वारा स्वयं से संवाद का एक उदाहरण दो और बताओ कि इससे कहानी कैसे रोचक बनी।

› पहले कहानी से वाक्य चुनो – 'बुखार आ गया। मैंने कराहते हुए कहा।'
› फिर समझो इसका मतलब – बच्चा अकेला है, खुद से बात कर रहा है, जैसे कोई दोस्त हो।
› अब देखो फायदा – इससे पाठक बच्चे के मन में झाँक लेता है, हास्य भी आता है और कहानी जीवंत लगती है।

उत्तर – उदाहरण: 'आपको पता नहीं चल रहा। थर्मामीटर लगाकर देखिए।' – इससे कहानी में हास्य और स्वाभाविकता आ गई, पाठक बच्चे की चालाकी पर मुस्कुरा उठता है।

उदाहरण 10. नीचे दिए शब्दों को उनके सही अर्थ से मिलाइए: 1. थर्मामीटर 2. काढ़ा 3. नर्स

› सबसे पहले शब्द पढ़ो और सोचो कहानी में ये कहाँ आया।
› थर्मामीटर - बुखार नापने के लिए इस्तेमाल होता है, तो अर्थ है शरीर का तापमान नापने का छोटा यंत्र।
› काढ़ा - नानी ने बच्चे को पिलाया, तो अर्थ है जड़ी-बूटियों को उबालकर बनाया पेय।
› नर्स - अस्पताल में बच्चे की देखभाल करती है, तो अर्थ है रोगियों की देखभाल करने वाला व्यक्ति।
› अब इनको सही अर्थ से मिला दो।

उत्तर – 1. थर्मामीटर - शरीर का तापमान (जैसे बुखार) नापने का एक छोटा यंत्र। 2. काढ़ा - कई तरह की जड़ी-बूटियों और औषधियों को उबालकर उनके रस से बना पेय। 3. नर्स - वह व्यक्ति जो रोगियों, घायलों या वृद्धों आदि की देखभाल करे।

उदाहरण 11. कहानी में बच्चे की समस्या क्या थी और उसने उसका क्या समाधान निकाला? नानी-नानाजी की समस्या क्या थी और उन्होंने क्या समाधान निकाला?

› पहले बच्चे की समस्या पहचानो – वह स्कूल नहीं जाना चाहता था इसलिए 'बुखार आ गया' कहकर बहाना बनाया।

› उसके समाधान का सोचो – बहाने से एक दिन घर पर रह गया लेकिन बाद में उसे अकेले रहना अच्छा नहीं लगा।

› अब नानी-नानाजी की समस्या देखो – उन्हें बच्चे की देखभाल करनी थी, बुखार चेक करना था।

› उनका समाधान – थर्मामीटर लगाकर देखा, खाना बंद कर दिया, आराम करने को कहा और शाम को फिर देखा।

उत्तर – बच्चे की समस्या: स्कूल न जाना, समाधान: बीमारी का बहाना। नानी-नानाजी की समस्या: बच्चे की देखभाल, समाधान: आराम कराना और निगरानी करना।

उदाहरण 12. नीचे दिए वाक्यों में सही विराम चिह्न लगाओ: 1 मैं आज बीमार हूँ 2 क्या हो गया 3 हे भगवान मैं क्या करूँ 4 नानाजी बोले अब कैसा है

› पहला वाक्य पूरा विचार है इसलिए अंत में पूर्ण विराम लगाओ – 'मैं आज बीमार हूँ।'

› दूसरा सवाल है इसलिए प्रश्नवाचक चिह्न – 'क्या हो गया?'

› तीसरा आश्चर्य और भाव है इसलिए विस्मयादिबोधक – 'हे भगवान! मैं क्या करूँ?'

› चौथे में किसी की बोली है इसलिए उद्धरण और अल्प विराम – 'नानाजी बोले, “अब कैसा है?”'

उत्तर – 1. मैं आज बीमार हूँ। 2. क्या हो गया? 3. हे भगवान! मैं क्या करूँ? 4. नानाजी बोले, “अब कैसा है?”

उदाहरण 13. कहानी के इन संवादों को अभिनय के साथ कैसे बोलेंगे और शीर्षक की उपयुक्तता एक वाक्य में बताओ: 1. 'मैं आज बीमार हूँ।' 2. 'बुखार तो नहीं है।'

› पहले बच्चे के संवाद को समझो – वह झूठ बोल रहा है, इसलिए कराहते स्वर में, रजाई में लेटे हुए, कमजोर आवाज में बोलो।

› नानाजी के संवाद को जिज्ञासा और डॉक्टर जैसी गंभीरता से बोलो, माथा छूते हुए और नब्ज देखते हुए।

› शीर्षक की उपयुक्तता – 'नहीं होना बीमार' इसलिए उपयुक्त है क्योंकि कहानी दिखाती है कि बीमारी का बहाना करना मजेदार नहीं, बल्कि दुखदायी है।

उत्तर – अभिनय: बच्चा – कमजोर, कराहता स्वर; नानाजी – गंभीर, जाँच करते हुए। शीर्षक उपयुक्त क्योंकि यह सिखाता है कि बीमार होने का बहाना कभी न बनाओ।

उदाहरण 14. कहानी में बच्चे को ईर्ष्या हुई जब मुन्नू आम खा रहा था। तुम्हें कभी किसी से ईर्ष्या हुई? क्या किया ताकि वो भावना दूर हो जाए? विस्तार से लिखो।

› पहले घटना याद करो – कब, किससे ईर्ष्या हुई

› अपने मन के भाव लिखो – बुरा लगा, जलन हुई

› फिर सोचो क्या किया – बात की, मेहनत की, या माफ किया

› अंत में सीख बताओ – ईर्ष्या से बचने का तरीका

उत्तर – मुझे अपनी छोटी बहन से ईर्ष्या हुई जब उसे नया साइकिल मिला। मन में जलन हुई लेकिन फिर मैंने मम्मी से बात की, अपनी पढ़ाई पर ध्यान दिया। अब खुश रहता हूँ।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• परीक्षा में अस्पताल के वातावरण का वर्णन और लड़के का पहला विचार पूछा जा सकता है, ठीक शब्दों में लिखना।

• यह भाग अक्सर 'character sketch' या 'character' की 'feelings' से जुड़े प्रश्नों में आता है, कि बच्चे ने बीमारी के बारे में क्या सोचा और क्यों।

• परीक्षा में पूछा जा सकता है – बच्चे के मन में बहाना बनाने के दौरान कौन-कौन से भाव आए? उत्तर में क्रोध, दुख, ऊब का जिक्र जरूर करना।

• यह भाग दिखाता है कि कैसे 'forced isolation' से बच्चे को 'boredom' और 'restlessness' होती है; पात्र की मनःस्थिति को समझने के लिए इस पर ध्यान दें।

• इस concept से MCQ आ सकता है – बच्चे के मन में कौन-कौन से भाव आए, बोर्ड एग्जाम में उदाहरण देकर लिखना।
• परीक्षा में पूछा जा सकता है – 'नानी-नानाजी ने बच्चे की देखभाल कैसे की?' इसलिए तीनों बातें क्रम से याद रखो, 3 अंक के प्रश्न में काम आएगा।
• बोर्ड एग्जाम में 'सोच-विचार के लिए' वाले सवाल में पछतावा और सीख पर लिखना आना चाहिए, अंक ज्यादा आते हैं।
• बोर्ड परीक्षा में लेखक परिचय से 1-2 अंक के प्रश्न आ सकते हैं, शैली और दो रचनाएँ जरूर याद रखो।
• बोर्ड परीक्षा में कहानी की विशेषताएँ पूछे जाने पर उदाहरण सहित लिखो, जैसे 'दबे पाँव...' वाला वाक्य।
• बोर्ड परीक्षा में शब्द-अर्थ मिलान का प्रश्न अक्सर आता है, हमेशा शब्दकोश वाली परिभाषा याद रखो।
• परीक्षा में 'समस्या और समाधान' वाले सवाल में दोनों पक्षों के कारण और परिणाम जरूर लिखो, अंक ज्यादा मिलेंगे।
• परीक्षा में कहानी या पत्र लिखते समय विराम चिह्नों का सही उपयोग जरूर करो, अंक कट सकते हैं अगर गलत लगाए।
• बोर्ड परीक्षा में शीर्षक की उपयुक्तता पूछे जाने पर कहानी का अंतिम संदेश लिखकर जोड़ो, अभिनय के 2-3 उदाहरण भी दे दो – अंक ज्यादा मिलेंगे।
• ये गतिविधियाँ बोर्ड परीक्षा में रचनात्मक लेखन और अनुभव-आधारित सवालों के लिए बहुत उपयोगी हैं, विस्तार से लिखना सीखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› अस्पताल वातावरण: शांत, स्वच्छ, सुंदर; लड़का बीमार होना चाहा
› बच्चे को बीमारों की देखभाल, साफ़ बिस्तर, साबूदाने की खीर से बीमारी का आकर्षण लगा।
› बहाना बनाना: नाटक से भूख+ऊब, स्कूल जाना बेहतर
› अकेले लेटे, घर-गली की गतिविधियों का मन ही मन अंदाज़ा लगाना।
› बहाने से: ऊब, भूख, जलन, गुस्सा, पछतावा (कष्ट)
› नानी-नानाजी: दवा+काढ़ा+भूखा रखना (3 मुख्य काम)
› पछतावा से मिली सीख: बहाना कभी न बनाना
› स्वयं प्रकाश: हास्य + जीवन अनुभव, रचनाएँ - मात्रा और भार
› चित्रात्मक भाषा: वर्णन+कल्पना+हास्य+संवाद = रोचक कहानी
› शब्द-अर्थ मिलान: साबूदाना, काढ़ा, थर्मामीटर, नर्स, रजाई
› बच्चे की समस्या-बहाना, नानी-नानाजी का समाधान-आराम
› विराम चिह्न: . , ? ! “ ” – सही जगह लगाओ
› शीर्षक उपयुक्तता: बहाना न बनाने का सबक; अभिनय में भाव+स्वर
› बहाने, अनुमान, ईर्ष्या, खान-पान, गली चित्र पर चर्चा-लेखन